''मानव सहायता समूह'' जिसके तीन भागः-१. गायत्री माला२. भारत माला ३. विश्व माला। विश्व में ध्यान एवं सिद्धयोग का ही एक बड़ा विभाग होगा 'मानव सहायता समूह'। जो विश्व में ध्यान एवं सिद्धयोग से संचालित होगा। गायत्री मालाः- इसमें वे आराधक शामिल है जिनको गुरूवर ने भौतिक शरीर से अथवा सूक्ष्म शरीर से गायत्री मंत्र की दीक्षा दी थी। जिनके बारे में श्री अरविन्द, श्रीमां, श्री विवेकानन्द जी ने बहुत पहले अपने साहित्यों में लिख दिया था-लाखों लोगों की चाह नहीं है ''केवल सौ पूर्ण पुरूष त्याग और तपस्या से लग जाए तो विश्व मानव कल्याण सम्भव है।'' गुरूदेव में ट्रांसफोरमेशन की पावर आ गई थी जिसके तहत गुरूवर ने अपनी दोनों सिद्धियां १०० पूर्ण पुरूषों में ट्रांसफर कर दी थी। हां, घोर कलयुग के कारण कुछ आराधक गायत्री को नहीं सम्भाल पाए थे। इसलिए मिशन कमजोर रहा।

११३.''भारत माला'' की चैन बनाकर तैयारी की जानी चाहिए। भारत के सकारात्मक सोच के लोगों को संगठित करने हेतु। उनके मोबाइल नंबर सार्वजनिक करके जिले, तहसील, राज्य की जिम्मेदारी सौंपने का आदेश है। इस पुरानी व्यवस्था की मदद ली जानी चाहिए। ताकि संगठन मजबूत हो सके। जो पूरे भारत को कवर करे। NGO को सशक्त बनाने का आदेश है। विफलता के कोई चान्स नहीं होंगे। जिसे अन्तिम समय तक गुप्त रखने का आदेश है। ताकि विरोधी तामसिकताएं कुछ नहीं बिगाड़ सके। ब्लोक/तहसील अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, राज्यों के अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करके पूरे भारत से सकारात्मक योग्य लोगों की भारतमाला बनाने का नाथमत (सिद्धलोक मुख्यालय) का आदेश है। जिला कमेटियां एक नवीन संरचना तीन सदस्यों की बनाई जावे। भौतिक विज्ञान की राजनीतिक व्यवस्था की तर्ज पर। वेबसाइट लेपटोप पर दर्ज होवे ताकि एक क्लिक से जानकारी सामने आ सके। भारतमाला का अतिशीघ्र निर्माण का नाथमत का स्पष्ट आदेश है। NGO विश्व में ध्यान एवं सिद्धयोग नाथमत का मास्टर प्लान है।